समाजशास्त्र (०३९)

सीनियर हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, २०१८

अंकन योजना के लिए-६२

<u>सामान्य निर्देश</u>

1. अंकन योजना केवल जवाब के लिए सुझाए गए मूल्य अंक वहन करती है । ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और अगर अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार ही मार्क्स दिए जाएंगे ।

2. उंमीदवारों के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने और निर्धारित शुल्क के भुगतान पर अनुमति दी जाती है । सभी परीक्षकों/प्रमुख परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया है कि वे सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन कड़ाई से किया जाता है के रूप में अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य अंक के अनुसार ।

3. सभी विभागाध्यक्ष परीक्षकों/परीक्षकों को निर्देश दिया जाता है कि उत्तर लिपियों का मूल्यांकन करते समय, यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो गलत उत्तर पर चिन्हित किया जाना चाहिए और 0 चिह्नों का पुरस्कार किया जाना चाहिए ।

4. प्रश्न पत्रों का विवरण:

5. प्रैक्टिकल परीक्षा: 20 अंक, थ्योरी परीक्षा: ८० अंक

6. प्रश्न नंबर १ से १४ तक के २ मार्क्स प्रत्येक के हैं, प्रश्न नंबर १५ से २१ तक के ४ मार्क्स प्रत्येक के हैं, प्रश्न नं. २२ से २५ के ६ मार्क्स प्रत्येक के हैं और प्रश्न no .25 2 एवं 4 के अंक वाले प्रश्न है ।

एस. नो.	अपेक्षित उत्तर/	चिह्न
1	वि - संस्कृतिकरण क्या है? • कतिपय क्षेत्रों में गैर-संस्कृत जातियों के प्रमुख थे • उनके प्रभाव मजबूत था और यह de sanskritization के रूप में जाना जाता है । (कोई अंय प्रासंगिक बिंदु)	1 + 1 = 2
2	प्रत्यक्ष एवं प्रतिनिधि लोकतन्त्र में अन्तर बताइए । प्रत्यक्ष लोकतंत्र: • प्रत्यक्ष लोकतंत्र में, सभी नागरिकों, निर्वाचित या नियुक्त पदाधिकारियों की मध्यस्थ के बिना, सार्वजनिक निर्णय लेने में भाग ले सकते हैं ।	1 + 1 = 2

	कोलगेट-पामोलिव, कोडक, मित्सुबिशी और कई अंय । • वे वैश्विक बाजारों और वैश्विक मुनाफे के लिए उंमुख है भले ही वे एक स्पष्ट राष्ट्रीय आधार है (कोई भी दो)	
6	फोर्डिज्म ने वस्तुओं के उत्पादन और विपणन व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया है? • हेनरी फोर्ड द्वारा लोकप्रिय उत्पादन • एक केंद्रीकृत स्थान पर माल का द्रव्यमान उत्पादन । • वैश्विक मुनाफे और वैश्विक बाजारों की ओर उन्मुख • मजदूरी के बेहतर भुगतान को लीड (कोई भी दो)	1 + 1 = 2
7	भारत में जनजातियों का वर्गीकरण किस प्रकार हुआ है? • स्थाई लक्षण-भाषा, क्षेत्र, नस्लीय वर्गीकरण, आकार • प्राप्त विशेषताओं- आजीविका का आधार, हिंदू समाज में आत्मसात	1 + 1 = 2
8	इतिहास के विभिन्न कालों में महिला आन्दोलन के मुख्य मुद्दे क्या थे? स्वाधीनता पूर्व काल में- औपनिवेशिक काल में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में उद्भव विद्रोह में भाग लिया पद स्वाधीनता काल में – • भूमि अधिकार, रोजगार, यौन उत्पीड़न और दहेज के मुद्दे (छात्र तेभागा और तेलंगाना आंदोलनों और सशस्त्र संघर्ष के उदाहरण दे सकते हैं । छात्रों को जाति और लैंगिक मुद्दों, बाल विवाह, विधवाओं के इलाज, हत्या, घरेलू हिंसा, बलात्कार, सेक्स विशिष्ट गर्भपात, सती pratha, विधवा पुनर्विवाह का भी उल्लेख हो सकता है ।	1 + 1 = 2
9	विनिवेश शब्द का अर्थ क्या है? • एक प्रक्रिया है जिसमें सरकार कई सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अपना हिस्सा बेचने की कोशिश कर रही है ।	1 + 1 = 2

	(कोई अंय प्रासंगिक बिंदु)	
15	उपनिवेशवाद से जाति व्यवस्था में क्या अन्तर आए? • विभिन्न जातियों के रिवाज और रीति पर व्यवस्थित और गहन सर्वेक्षण और रिपोर्ट । • जनगणना के माध्यम से जाति की सूचनाओं का संग्रह । • जाति की पहचान कठोर हो गई एक बार इसे गिना और दर्ज किया गया । • भूमि राजस्व बस्तियों ने ऊपरी जातियों के पारंपरिक अधिकारों को कानूनी मान्यता दी । • भारत सरकार अधिनियम १९३५ ने जातियों की सूची या अनुसूची को कानूनी मान्यता दे दी. (कोई भी चार)	1 + 1 + 1 + 1 = 4
16	सांस्कृतिक विभिन्नता क्या होती है?. राज्य अक्सर सांस्कृतिक विविधता के प्रति संदेह क्यों रखते हैं?. • यहाँ अनेक प्रकार के सामाजिक समुदाय एवं समूह निवास करते हैं। यह समुदाय सांस्कृतिक चिह्नों, जैसे भाषा, धर्म पंथ, प्रजाति या जाति द्वारा पहचाने जाते हैं। • बहुसंख्या वाली पहचान की बहुलता। या • सांस्कृतिक विविधता से हमारा मतलब है कि भारत में रहने वाले सामाजिक समूहों और समुदायों के कई प्रकार हैं • ये ऐसे भाषा, धर्म, जाति, संप्रदाय, या जाति के रूप में सांस्कृतिक पहचान मार्करों द्वारा परिभाषित समदाय हैं बी • कई बार सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। • कभी - कभी सांस्कृतिक अंतरों के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ जुड़ जाती हैं और तब स्थिति और भी जटिल हो जाती है। • स्थिति उस समय और भी बदतर हो जाती है जब नदी के पानी, रोजगार या सरकारी धन की दुर्लभ संसाधनों का बाँटा जाता है। • साम्प्रदायिक दंगे, क्षेत्रीय स्वायत्तता या जातिगत मुद्दों की माँग जैसी विभाजनकारी ताकतें देश को बाँटती हैं। • ऐसी राजनीतिक पहचान राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन जाती है। • अधिकतर राज्य अपने राजनीतिक प्रभाव के कारण या तो विभिन्न पहचानों को दबा देते हैं या उनकी अवहेलना करते हैं।	1 + 1 + 1 + 1 = 4
17	73वाँ और 74वाँ संशोधन वास्तव में महिलाओं के अधिकार देने की तरफ एक बड़ा कदम है। व्याख्या कीजिए।	1 + 1 + 1 + 1 = 4

16 - बी • अधिकतर राज्य एक सजातीय राष्ट्रीय पहचान के पक्ष में होते हैं जिससे की कि प्रशासनिक नियंत्रण ठीक से हो सके।

20	"भारत में व्यापार और वाणिज्य को जाति और नातेदारी के संजाल द्वारा संचालित किया जाता है"। विवेचना कीजिए।	1 + 1 + 1 + 1 = 4
	व्यापार और वाणिज्य जाति और रिश्तेदारी नेटवर्क के माध्यम से संचालित- • तमिलनाडु के Nattukottai Chettiars (या Nakarattars) के पास व्यापक जाति आधारित धारावाहिक व्यापारिक नेटवर्क था. • जाति, रिश्तेदारी, और परिवार की संरचनाओं वाणिज्यिक गतिविधि की ओर उन्मुख थे; इन सामाजिक संरचनाओं के भीतर व्यावसायिक कार्यकलाप किए गए। • Nakarattar बैंकों मूलतः संयुक्त परिवार फर्मों थे, इसलिए है कि व्यापार फर्म की संरचना परिवार के रूप में ही था। • एक्सचेंज और क्रेडिट का एक महत्वपूर्ण साधन *हुंडी*, या एक्सचेंज के बिल (एक क्रेडिट नोट की तरह), जो व्यापारियों को लंबी दूरी के व्यापार में संलग्न करने की अनुमति दी थी। • जाति आधारित सामाजिक नेटवर्क Chettiar व्यापारियों को दक्षिण पश्चिम एशिया और सीलोन में अपनी गतिविधियों का विस्तार करने की अनुमति दी। (कोई भी चार)	
21	सांप्रदायिकता क्या है? यह तनाव और हिंसा का बारम्बार स्रोत क्यों है? उपयुक्त उदाहरण देकर समझाओ।	1 + 1 + 1 + 1 = 4
	• रूढ़ ' धार्मिक पहचान के आधार पर आक्रामक chauvinism को दर्शाता है। • धार्मिक पहचान और सब कुछ ओवरराइड। • सांप्रदायिक दंगों के दौरान लोगों को अपने संबंधित समुदायों के कम सदस्य का सामना करना पड़ता है। • हावी रवैया यह है कि एक समूह केवल वैध या योग्य है • अन्य धार्मिक समुदायों के सदस्यों को मारने, बलात्कार और लूट करने की इच्छा। • मौत को बदला और अपने ही धर्म के अनुयायियों द्वारा भुगते गए अपमान को जायज ठहराया. उदाहरण-दिल्ली 1984 के ऐंटी सिख दंगे, गुजरात में ऐंटी मुस्लिम हिंसा २००२ (कोई भी चार)	
	या अल्पसंख्यक समुदाय क्या होता है? अल्पसंख्यकों को राज्य के संरक्षण की आवश्यकता क्यों होती है?	2 + 2 = 4
	• लोगों का एक समूह एक दिया समाज, जो, क्योंकि उनके अलग शारीरिक या सांस्कृतिक विशेषताओं की वजह से खुद को समाज के भीतर असमानता की स्थितियों में मिल में एक	

	(कोई भी छह)	
24	स्वतंत्रता के बाद सरकार द्वारा पेश किए गए प्रमुख भूमि सुधार कानून क्या थे? • जमींदारी प्रणाली का उंमूलन (उंमूलन ofd बिचौलियों कि खेती और राज्य के बीच खड़ा था) • किरायेदारी उंमूलन और विनियमन अधिनियम (किरायेदारों को सुरक्षा देने के लिए) • भूमि हदबंदी अधिनियम (बचाव का रास्ता-' बेनामी अंतरण ' का उल्लेख किया जा सकता है) (प्रत्येक बिंदु विवरण में समझाया जा करने के लिए)	2 + 2 + 2 = 6
25	अज्ञान संख्या की वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए माल्थस ने कौन-से कृत्रिम और प्राकृतिक निरोध बताए हैं? • निवारक जाँच – विवाह, यौन संयम, ब्रह्मचर्य आदि को स्थगित करना। • सकारात्मक जाँच-अकाल और रोगों के माध्यम से ब) उदारवादी और मार्क्सवादी विद्वानों ने माल्थस की आलोचना की व्याख्या कीजिए। • माल्थस ने अपने सिद्धांत के लिए मार्क्सवादियों और उदारवादियों की आलोचना की थी. • खाद्य उत्पादन और जनसंख्या वृद्धि के बावजूद वृद्धि के मानकों के रूप में यूरोपीय देशों के ऐतिहासिक अनुभव में देखा। • गरीबी और भुखमरी के कारण जनसंख्या में वृद्धि नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था के असमान वितरण के कारण हुई.	